प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

औद्यानिक फसलों की संरक्षित खेती विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित

पंतनगर। 10 नवम्बर 2020। पंतनगर विश्वविद्यालय के सेवायोजन एवं परामर्श निदेशालय एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वित्तीय सहयोग से उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 'औद्यानिक फसलों की संरक्षित खेती' विषय पर दो सप्ताह ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय में किया गया, जिसका उद्घाटन भारत में संरक्षित खेती के जनक एवं रक्षा अनुसंधान विकास संगठन के पूर्व निदेशक पद्मश्री, डा. ब्रहमा सिंह ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप द्वारा किया गया।

डा. ब्रह्मा सिंह ने बताया कि बदलती जलवायु से उपभोक्ताओं को वर्ष भर ताजे फलों एवं सब्जियों की मांग के कारण संरक्षित खेती ही कृषि का भविष्य है तथा उन्होंने संरक्षित खेती के साथ-साथ मृदा विहीन खेती की भी जानकारी दी। कुलपति, डा. तेज प्रताप ने बताया कि प्रदेश की छोटी जोतों के काश्तकारों की खेती को लाभप्रद बनाने में संरक्षित बागवानी ही सक्षम है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वह अपने क्षेत्र में संरक्षित बागवानी का मॉडल बनाकर किसानों को प्रस्तुत करें।

कार्यक्रम में अधिष्ठाता, कृषि, डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप एवं निदेशक, सेवायोजन एवं परामर्श, डा. आर.एस. जादौन ने भी अपने विचार व्यक्त किये तथा विद्यार्थियों को प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त करने हेतु शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम समन्वयक, डा. ओमवीर सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया एवं उप-समन्वयक डा. विजय प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की रूप-रेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन डा. रत्ना राय द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में उद्यान विज्ञान के विभागाध्यक्ष, डा. डी.सी. डिमरी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष, डा. धीरेन्द्र सिंह एवं सब्जी विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य एवं जैन इरीगेशन प्रा.लि. के वरिष्ठ प्रबन्धक, डा. बालकृष्णा भी उपस्थित थे।

पद्मश्री डा. ब्रहमा सिंह।